2018

M.A.

Semester –IV

HINDI

PAPER–401

Subject Code—05

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Illustrate the answer wherever necessary

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 8×2

   क) विंध्याटवी में घूसने पर बाण के हर्षचरित में बहिन की खोज में भटकते हर्ष और दिवाकर मित्र का आश्रम स्मरण आने लगता, और जंगल में किसी कृष्णकाय ब्राह्मण को देखकर कादम्बरी का जरद-द्रविड़ धार्मिक याद हो जाता ।

ख) भइया, माता, जीजी, दिदिया, बिटिया आदि न जाने कितने सम्बोधन से मेरा परिचय है, और सब मुझे प्रिय हैं, पर यह विजातीय सम्बोधन मानो सारा परिचय छीनकर मुझे गाउन में खड़ा कर देता है ।

ग) मैं अपने चेहरे पर सूखे-से-सूखे हुए आदमी का मुखौटा लगाना चाहता था । किन्तु हड़बड़ी में जो मुखौटा लगाया वह एक अपराधी का था । झुकी हुई निगाहें और बुझा हुआ दिल !

घ) विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता । इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है ।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

क) 'मेरी जीवन यात्रा' साहित्य की कौन-सी विधा है ? पठित अंशों के आधार पर इसके संवेदनागत वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए ।

ख) व्यंग्य-कला के आधार पर 'वैष्णव की फिसलन' की समीक्षा कीजिए ।

ग) 'क्रोध' निबंध में लेखक के व्यक्त विचारों का विवेचन कीजिए ।

घ) 'भक्तिन' के कौन से चित्र अधिक आकर्षक बन पड़े हैं और क्यों ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए ।

—o—